**A–0956**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# BAHL(N)-201

## रीतिकालीन काव्य

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)** 2×19=38

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रीतिकाल के नामकरण की सार्थकता पर निबंध लिखिए।
2. रीतिबद्ध कविता क्या है? किन्ही एक रीतिबद्ध कवि का परिचय दीजिए।

3. रीतिकालीन काव्य दरबारी काव्य है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. पद्माकर के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनकी कविताओं की विवेचना कीजिए।

5. आगे के सुकवि रीझि हैं तो कविताई ना तो राधिका कान्ह सुमिरन को बहानो है, के आधार पर रीतिकाल की समीक्षा कीजिए।

## खण्ड–ख

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)** 4×8=32

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रीति काल का सामान्य परिचय दीजिए।

2. रीति मुक्त कविता क्या है?

3. केशवदास कठिन काव्य के प्रेत हैं, इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. पद्माकर के प्रकृति परक कविताओं का मूल्यांकन कीजिए।

5. रीतिकालीन भक्ति कविता का परिचय दीजिए।

6. घनानंद की किसी एक कविता की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

7. देव की कविता में निहित कृष्ण भक्ति के स्वरूप को निर्धारित कीजिए।

8. भूषण के वीर काव्य पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

**********